

मुट्ठीगंज में बारजा गिरने से हुआ
बड़ा हादसा जिसमें 6 लोग घायल

(आधुनिक मंसाचार से) प्रयागराज। हैं जिनका उपचार एसआरएन अस्पताल में ट्रामा सेंटर में चल रहा है और 4 की मृत्यु हो चुकी है मृतकों का विवरण 1. सुशील कुमार गुप्ता पुत्र विश्वनाथ गुप्ता उम्र 40 वर्ष निवासी 152 आर्य नगर मुट्ठीग 2. राजेंद्र पटेल पुत्र अज्ञात 51 वर्ष 3. नीरज केसरवानी पुत्र मोतीलाल केसरवानी उम्र 32 वर्ष निवासी पंचायती अखाड़ा मुट्ठीगंज 4. एक व्यक्ति नाम पता अज्ञात।

**फीस प्रताड़ित से क्षुब्ध छात्र
ने आत्महत्या की स्कूल
प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज**
(आधुनिक मसाचार सेवा)
प्रयागराज। प्रयागराज में एक छात्र
ने आत्महत्या कर लिया था। इस
मामले में छात्र के परिवार के लोगों
ने फीस के लिए प्रताड़ित करने से
क्षुब्ध होकर आत्मघाती कदम उठाने
का आरोप लगाया है। पुलिस ने
कार्रवाई करते हुए स्कूल प्रबंधन



के खिलाफ केस दर्ज किया। प्रबंधक, प्रधाननाचार्य, वरिष्ठ लिपिक और अध्यापक पर रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है। स्कूल प्रबंधक पर प्रताइना का आरोप : उल्लेखनीय है कि गंगापार के झूंसी थाना क्षेत्र के बंधवा ताहिरपुर में इंटरमीडिएट के 18 वर्षीय छात्र प्रतीक ने आत्महत्या की थी। प्रतीक के घरवालों का आरोप है कि फीस जमा न करने को लेकर स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रताडित करने से क्षम्भ होकर उसने खुदकुशी की थी। प्रतापाण्ड का प्रतीक प्रयागराज के झूंसी में रहता था : प्रतापाण्ड जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र के डिवरट निवासी अनिल कुमार ओझा का पुत्र प्रतीक व प्रफुल्ल ओझा अपने प्रबंधन द्वारा उसे प्रताडित किया जाता था। इससे क्षम्भ होकर उसने खुदकुशी कर ली। कैंडल मार्च निकाल थाने में धरना दिया था : छात्र प्रतीक के फंदे पर झूलकर आत्महत्या करने से आक्राशित उसके बाई मुर्धी कुमार ओझा ने कुछ अधिवक्ताओं के साथ कैंडल मार्च मंगलवार की रात निकाला था। कैंडल मार्च झूंसी थाने पहुंचा और थाने में धरना दे दिया। आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की गई थी। किन पर केस दर्ज हुआ : झूंसी पुलिस ने कार्बोर्गाइ करते हुए स्कूल प्रबंधक संजय मौर्या, प्रिसिपल आशुतोष सिंह, हेड लिपिक टीम भौत्य व अध्यापक संजय मिश्रा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है।

लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रीक्ट ३२१ई के द्वारा दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया



(आधुनिक मसाचार सेवा)
 प्रयागराज। जिसमें दूसरे दिन फैशन शो का भी आयोजन हुआ। जिसमें 51 प्रतिभागियों ने सहभागिता कर फैशन का जलवा दिखाया। जूरी ने रैम्पवॉक, टैलेंट एवं क्वेश्चन आंसर राउंड के बाद अपने जजमेंट दिए। कार्यक्रम की संयोजिका लायन डॉ जया खरे एवं लायन रेखा जयसवाल जी ने बताया कि जज के द्वारा क्वीन ऑफ प्रयागराज, किंग ऑफ प्रयागराज, प्रिसेस ऑफ प्रयागराज के साथ ही तीनों कैटेगरी में फर्स्ट एंड सेकंड रनरअप भी चुने गए। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष सौए सौरव कांत एवं राजूल कांत द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। एंकरिंग लायन डॉ जया खरे एवं लायन हिमांशु द्वारा की गई। सभी प्रतिभागियों को लॉयन आर्किटेक्ट विशाल खरे द्वारा स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष सतीश कुमार श्रीवास्तव जी, कुँवर बी एम सिंह जी, आनंद श्रीवास्तव जी, मंडल अध्यक्ष प्रथम अजय मल्होत्रा, लाला भैया, संजीव लोगानी, ऋषि सेठी, लायन ईरा सेठी, लायन रीता वीर, लायन सुशील श्रीवास्तव, लायन डॉ उमा जैसवाल, लायन अक्षत, लायन आरके सिंह, लायन जगमोहन अग्रवाल, लायन वीरेंद्र जयसवाल, राजेंद्र गुप्ता, अनुप सिंह, अनिल टंडन आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन में लकी ड्रा भी हुआ जिसमें प्रथम विजेता को 32 इंच स्मार्ट टीवी और द्वितीय ऑटीजी, तृतीय को गीजर, मिक्सी आदि विभिन्न प्रकार के इनाम दिए गए।

पीडल्ब्यूएस ने मनाया सम्मान समारोह

(आधुनिक मसाचार सेवा)

प्रयागराज। एनजीओ पीडब्ल्यूएस टीम का कार्यक्रम समाप्त हो आज शाम 5:00 बजे श्रीमान सोनू केसरवानी, प्रौद्योगिकी महाराजा डीर्ज (गौतम सिनेमा घर के सामने) कटघर प्रयागराज में पीडब्ल्यूएस प्रमुख आर के पाण्डेय एडवोकेट की परिचर्चा हुई। जानकारी के अनुसार संगठन के विस्तार के क्रम में अधिष्ठित गुप्ता स्टेट प्रेसीडेंट द्वारा सोनू केसरवानी को टीम से जोड़ते हुए उन्हें डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट व्यापार सभ मनोनीत किया गया। इस अवसर पर संगठन के जनरल विंग टें

पीडब्ल्यूएस शिक्षालय निर्माण पर परिचय हुई। जानकारी के अनुसार संगठन के विस्तार के क्रम में अभिषेक गुप्ता स्टेट प्रेसीडेंट द्वारा सोनू कैसरवानी को टीम से जोड़ते हुए उन्हें डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट व्यापार सभा मनोनीत किया गया। इस अवसर पर संगठन के जनरल विंग के संरक्षण व 1 ईट 1 रुपये के जनसहयोग से अयोध्या विकास प्राधिकरण क्षेत्र के गोरसरा शुक्र में पीडब्ल्यूएस शिक्षालय निर्माण पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा उपस्थित साधियों ने इस परिचर्चा में अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर युवा समाजसेवी मूशीर



उपर्युक्त में सपनन हुआ जिसमें
अभिषेक गुप्ता स्टेट प्रेसीडेंट
पीडब्ल्यूएस व्यापार सभा उत्तर
प्रदेश द्वारा सोनू केसरवानी के
प्रयागराज जिले का जिलाधिकार
व्यापार सभा मनोनीत किया गया
तथा मानवाधिकार संकरण व १
ईटी कामे के बहु सदस्यों

डिस्ट्रिक्ट प्रेसोइड प्रयागराज राज है माझे सागर, पीड़ू यूएस समाजसेवी डाक्टर शमशाद खान, डाक्टर शिवम त्रिपाठी, डाक्टर जैद उल्लाह, मिरान, अरविंद मालीवीय द्वारा सोनू केसरवानी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में आर के पापडेंग एटोकेट ने मानवाधिकार

उल्लाह, वायस आफ इंडिया से यश गुप्ता, मनशु सोनकर, करन वुमार, सज्जीत केसरवानी, कक्कू सोनकर, रमा शंकर साह, अंशु केसरवानी, कमलेश केसरवानी आदि उपस्थित रहे व शिक्षालय अमरनाथ के कार्यक्रम की समाप्ति किया।

ठोस एवं तरल अपशिष्ट के प्रबन्धन हेतु

58 गावो

(आधुनिक मसाचार सेवा) प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा० नितिन बंसल की अध्यक्षता में कल सायकाल कैम्प कार्यालय में जिला स्वच्छता मिशन की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा योजनावार प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी तथ स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत फेज-2 में ओडीएफ पुस्त हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में चयनित 58 ग्रामों की ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन का डीपीआर प्रस्तुत किया गया। जिलाधिकारी ने बैठक में जानना चाहा कि इन गांवों के चयन का आधार क्या है तो जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताय कि 2011 की जनसंख्या के आधार पर जिन गांवों की आबादी 5 हजार से अधिक है उन गांवों का चयन इस योजना के अन्तर्गत किया गया है। इसके अन्तर्गत सभी गांवों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट के प्रबन्धन हेतु डीपीआर बनाया गया है जिसके अन्तर्गत समेकित तो सेवा

का डीपीआर बनाया गया
अपशिष्ट प्रबन्धन केन्द्र विकसित किया जायेगा ताकि गांवों में ठोस कचरा व कूड़ा करकर तथा तरल अपशिष्ट का समुचित प्रबन्धन किया जा सके। इससे संचारी रोगों पर नियंत्रण रखा जा सकेगा, गांवों के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सहायक जिला पंचायत राज तकनीकी द्वारा बताया गया कि इसके निर्माण में सामुदायिक अंशदान के रूप में 30 रुपये प्रतिघर निर्धारित किया गया है, तरल अपशिष्ट के प्रबन्धन हेतु सोख्ता गह्वा बनाया जायेगा। घर-घर से कड़ा एकत्र करने की भी व्यवस्था की गयी है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि यह योजना तभी शात् प्रतिशत सफल हो सकेगी जब इसके अन्तर पेनाल्टी का प्राविजिन किया जाये, उन्होंने कहा कि इन गांवों में कड़ा प्रबन्धन की व्यवस्था के बाद भी यदि किसी व्यक्ति द्वारा जान बूझकर गदरी/कूड़ा कचरा फेका जाता है तो ग्राम पंचायत पंचायती राज पक्ष के अन्तर्गत ऐसे लोगों के विरुद्ध पेनाल्टी निर्धारित वसूली की कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने सामुदायिक शौचालयों का निर्माण बस्ती के निकट कराने का निर्देश दिया तथा उनके संचालन, साफ-सफाई एवं उपयोगिता की दैनिक जांच की जा सके। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा बताया गया कि 18 गंगा के किनारों के गांवों में भी अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु डीपीआर बनवाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास तें लाभार्थियों को अभियान चलाकर शत् प्रतिशत शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, परियोजना निदेशक डीआरडीए आर०सी० शर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी विजय वुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

**आवास हेतु प्रधान द्वारा धन लेने की शिकायत
की गम्भीरता से होगी जाँच और प्रधान के
विरुद्ध सख्त कार्यवाही-जिलाधिकारी**

आधुनिक गेट हाउस



त्रिष्ठोषताम् -

- पूर्णतः वाटर प्रूफ (टीन शोडे)
 - गेस्ट हाउस के भीतर ही पार्किंग की सुविधा
 - गेस्ट हाउस के भीतर ही मन्दिर
 - सम्पूर्ण गेस्ट हाउस में सीसीटीवी कैमरे की सुविधा
 - छोटे-बड़े समस्त कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग रेट
 - लगभग 45000 sq. ft. एरिया के हरे-भरे वातावरण में विस्तृत गेस्ट हाउस

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रोड़ गोड, औद्योगिक थाने के पीछे भारत पेटोलियम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, नैनी, प्रवाणगारा

बैंकिंग सम्पर्क सत्र

8816897337 9415608783 9415608710

SATVAM # 9305124298

सम्पादकीय

सावधान रहें आंदोलनजीवियों से, केवल विरोध के लिए विरोध करने वालों का देशहित से कोई लेना-देना नहीं

आज से कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू हो रही है। यह यात्रा कांग्रेस का जनाधार बढ़ाने में कितनी सहायक होगी, यह भविष्य ही बताएगा। इस यात्रा में कांग्रेस के साथ दो सौ से अधिक ऐसे लोग भी जुड़ रहे हैं, जो मूलतः कांग्रेसी नहीं हैं। इनमें से कुछ के पास राजनीतिक किस्म के अपने संगठन भी हैं, जैसे कि योगेंद्र यादव का स्वराज इंडिया। चंद दिनों पहले उन्होंने संयुक्त किसान मोर्चे की समन्वय सर्वोत्तम से त्यागपत्र दे दिया था। माना जाता है कि इसका कारण कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होना है। योगेंद्र यादव के साथ प्रशांत भूषण और प्रो. आनंद कुमार भी भारत यात्रा से जुड़ रहे हैं। ये वहीं लोग हैं, जिन्होंने एक समय अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर मनमोहन सिंह सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम छेड़ी थी। अब वे मोदी सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों से लड़ने के लिए कांग्रेस का साथ देना आवश्यक समझ रहे हैं। इसमें हर्ज नहीं, लेकिन कांग्रेस से आंदोलनजीवियों से सरकार रहे तो बेहतर। इसलिए और भी, क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद योगेंद्र यादव ने कहा था- कांग्रेस मर्स्ट डाई। योगेंद्र यादव ने कांग्रेस के खत्म हो जाने की जरूरत पर इसलिए बल दिया था, क्योंकि उनकी समझ से वह विकल्प तैयार करने में सबसे बड़ा रोड़ा है। लगता है अब कांग्रेस के बारे में उनके विचार बदल गए हैं। यह भी कोई नई-अनोखी बात नहीं। समय के साथ व्यक्ति के विचार बदलते हैं। योगेंद्र यादव भले ही किसान नेता, राजनीतिक विशेषज्ञ, चुनावी विशेषज्ञ आदि के रूप में जाने जाते हों, लेकिन पिछले कुछ समय में उनकी छवि अंदोलनजीवी की बनी है। यह इस कारण बनी है कि पहले वह इंडिया अैंस्ट करशन आंदोलन से जुड़े, फिर नागरिकता संशोधन कानून विरोधी अंदोलन से और इसके बाद कृषि कानून विरोधी अंदोलन से। फिलहाल

इसका आकलन करना कठिन है कि कांग्रेस की भारत जोड़ी यात्रा से योगेंद्र यादव सरीखे किन्तु और आंदोलनजीवी जुड़ रहे हैं, लेकिन इससे इन्कार नहीं कि अपने देश में आंदोलनजीवियों की कमी नहीं। योगेंद्र यादव सरीखी एक और आंदोलनजीवी मेधा पाटकर भी इन दिनों चर्चा में है। इसका कारण की संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने दशकों तक इस परियोजना का विरोध किया। धीरे-धीरे उनके इस आंदोलन में कथित पर्यावरणविद, मानवाधिकारवादी आदि शामिल हो गए। इस परियोजना का विरोध इतना अधिक बढ़ा कि विश्व बैंक आर्थिक सहयोग देने के अपने बाद से पीछे हट गया।

पाकिस्तान में अनहोनी के आसार

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी यानी पीटीआइ के मुखिया इमरान खान ने आखिरकार वह हद पार कर दी, जिसके बारे में पाकिस्तान में सोचा तक नहीं जाता। उन्होंने फैसलाबाद की एक रैली में पाकिस्तान के अगले सेना प्रमुख की नियुक्ति को लेकर जो कुछ कहा, उसकी गुंजाइश पाकिस्तान की ताकतवर सेना कभी नहीं देंगी कि रही थी। उनका जनाधार बना दुआ था। ऐसी राजनीतिक टिप्पणियों के बारे में कुछ भी अजीब नहीं था, लेकिन फैसलाबाद में इमरान कुछ ज्यादा आगे ही बढ़ गए। उन्होंने कहा कि नए चुनाव कराने की उनकी मांग इसीलिए खारिज कर दी गई, क्योंकि शरीफ परिवार और जरदारी एक दबू सेना प्रमुख की नियुक्ति करना चाहते हैं। ज्ञात हो कि सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा का



शेख हसीना की इस यात्रा का एक आयाम रोहिंग्या मुसलमानों से भी जुड़ा है जो जटिल समस्या है। रोहिंग्या समस्या मूलतः बांग्लादेश की है क्योंकि रोहिंग्या सबसे पहले बांग्लादेश का रुख करते हैं फिर भारत की तरफ आते हैं। वे उसी इलाके से स्प्यानियार गए थे जो आज का बांग्लादेश है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की चार साझेदार बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार बहुत तेजी से बढ़ा है। दोनों देशों ने सूचना प्रौद्योगिकी अंतरिक्ष एवं परमाणु क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया है और पावर ट्रांसमिशन लाइन पर दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही है। दोनों देशों के बीच सात समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। भारत बांग्लादेश के बीच कशीयारा

विश्वास पर हमले की धमकी देते हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अमृत काल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई सार्थक चर्चा का दोनों देशों के लोगों को लाभ होगा और हमने सभी बकाया मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया है। हम तौस्ता मुद्दे के भी सर्वसम्मत हल की उम्मीद करते हैं।

हो। जहां तक आर्थिक मुद्दों की बात है उम्मीदेश यहां से काटन बांगुदेश जाता है और वहां उसे प्रस्तुत करके बांगुदेश दुनिया भर में निर्यात करता है। काटन निर्यात में बांगुदेश विश्व का दूसरे नंबर का देश है। इससे निश्चित रूप से भारत को नुकसान हुआ है। अब तक बांगुदेश का भारतीय बाजार में जितनी पहचं मिली हड्डी है उसे आगे बढ़ाना घेरेलू स्तर पर राजनीतिक विरोध के कारण बांगुदेश अभी तक इस मामले में हमारी ज्यादा मदद नहीं कर पा रहा था लेकिन यदि इस क्षेत्र में वह सहयोग बढ़ाता है तो यह दोनों देशों के हित में होगा। इसके अलावा बांगुदेश के पास जो गैस की उपलब्धता है या वहां जो ऊर्जा उत्पादन की क्षमता है उसे गैस पाइपलाइन के जरिये भारत

तो जटिल समस्या है। रोहिंग्या
समस्या मूलतः बांग्लादेश की है ए
न्योंकि रोहिंग्या सबसे पहले
बांग्लादेश का रुख करते हैं फिर
पारत की तरफ आते हैं। वे उसी
लाके से म्यांमार गए थे जो आज
बांग्लादेश है। हालांकि म्यांमार
पास और भी मुश्खिम देश है ए
वैसे मलयेशिया ए इडोनेशिया ए
रुनहट लेकिन वे बांग्लादेश या भारत



शैक्षिक क्रांति: शिक्षा के क्षेत्र में सपने जगाने का वक्त, परंचूनौतियां अब भी बड़ी हैं

महामारी से उबर कर जब पढ़ाई-लिखाई थीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है, तो ऐसे में इस पर सियासी संकट चिंताजनक है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया न्युयार्क टाइम्स का हवाला देकर शैक्षक क्रांति का राग अलाप रहे हैं, तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने ताजा गुजरात दौरे में गुजरात मॉडल की शिक्षा के सपने जगा रहे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष का शिक्षक दिवस, शिक्षा के क्षेत्र में सपने जगा गया। यह महज संयोग है कि इस साल झारखंड बार संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे में सियासी संकट से उपजा संक्रमण, चिंता की बड़ी वजह है। सियासी संकट चिंताजनक महामारी से उबर कर जब पढ़ाई-लिखाई थीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है, तो ऐसे में इस पर सियासी संकट चिंताजनक है। यह संकट कहीं दूर नहीं बढ़िक दिल्ली से ही शुरू हुई है। दिल्ली में मधुशाला बनाम पाठशाला की सियासी जंग छिड़ी है। यह सियासी संकट तब गहराया है, जब शिक्षा के क्षेत्र में मशाल और मिसाल की उम्मीद की जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि

मिलीं। विद्यार्थियों के सपने तार-तार हुए। आर्थिक व व्यक्तिगत संकट के चलते कई विद्यार्थियों ने बीच में पढ़ाई छोड़ दी तो कई ने दूसरी राह पकड़ ली। कौशल (स्किल) और संपन्न विद्यार्थी ही दौड़ में टिक पाए। विद्यार्थियों में सबल पुछने की ललक कम पड़ गई। कौपी घर रह गई जैसे बहाने बढ़ गए हैं। सपने के दबाव में चंहरे की रंगत उड़ गई, मुस्कान फीकी पड़ गई। सामूहिक जवाबदेही से सपने साकार हाँ ऐसे में अमृत महोत्सव वर्ष के शिक्षक दिवस पर भोटी ने पीएम श्री के तहत 14,500

में अग्रसर है यूनाइटेड र
तीन दशकों से इंजीनियरिंग, प्रबंधन और फार्मसी पाठ्यक्रम के शिक्षा में उच्च गुणवत्ता पूर्ण मानक स्थापित करते हुए यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ने शिक्षा के एक नए युग की स्थापना के लिए वर्ष 2021 में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी की स्थापना की। तीन दशकों से इंजीनियरिंग, प्रबंधन और फार्मसी पाठ्यक्रम के शिक्षा में उच्च गुणवत्ता पूर्ण मानक स्थापित करते हुए यूनाइटेड ग्रुप ऑफ

भारत के सर्वश्रेष्ठ निजी
विश्वविद्यालयों में अपनी
विशिष्ट छाप बनाने की दिशा
में अग्रसर है यूनाइटेड यनिवर्सिटी

तीन दशकों से इंजीनियरिंग, प्रबंधन और फार्मसी पाठ्यक्रम के शिक्षा में उच्च गुणवत्ता पूर्ण मानक स्थापित करते हुए यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने शिक्षा के एक नए युग की स्थापना के लिए वर्ष 2021 में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी की स्थापना की। तीन दशकों से इंजीनियरिंग, प्रबंधन और फार्मसी पाठ्यक्रम के शिक्षा में उच्च गुणवत्ता पूर्ण मानक स्थापित करते हुए यूनाइटेड ग्रुप अपने इंस्टीट्यूशंस ने शिक्षा के एक नए युग की स्थापना के लिए वर्ष 2021 में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी की स्थापना की। तीन दशकों से इंजीनियरिंग, प्रबंधन और फार्मसी पाठ्यक्रम के शिक्षा में उच्च गुणवत्ता पूर्ण मानक स्थापित करते हुए यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने शिक्षा के एक नए युग की स्थापना के लिए वर्ष 2021 में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी की स्थापना की। तीन दशकों से इंजीनियरिंग, प्रबंधन और फार्मसी पाठ्यक्रम के शिक्षा में उच्च गुणवत्ता पूर्ण मानक स्थापित करते हुए यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने शिक्षा के एक नए युग की स्थापना के लिए वर्ष 2021 में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी की स्थापना की। तीन दशकों से इंजीनियरिंग, प्रबंधन और फार्मसी पाठ्यक्रम के शिक्षा में उच्च गुणवत्ता पूर्ण मानक स्थापित करते हुए यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने शिक्षा के एक नए युग की स्थापना के लिए वर्ष 2021 में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी की स्थापना की।



के तहत राज्य सरकार द्वारा अनुमोदन प्राप्त है, और विश्वविद्यालय को यूजीसी, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय का ध्येय शिक्षाधियों को उच्च गुणवत्ता और समकालीन शिक्षा प्रदान करके उनका समग्र विकास करना है। इसे सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय योग, ध्यान, नैतिक शिक्षा और सामाजिक भागीदारी जैसे जीवन परक मूल्यों की शिक्षा प्रदान करता है, जिससे उन्हें शिक्षित होने के साथ साथ समाज में उच्च सामाजिक मूल्यों के आदर्श को स्थापित करने में अध्यनरत मेडिकल के छात्रों को योग्य चिकित्सकों के कुशल दिशा निर्देशन और अध्यास के माध्यम से शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर रहा है जिससे अध्यनरत छात्र शीर्ष स्तरीय चिकित्सकों के रूप में विकसित होकर समाज में अपना उत्कृष्ट योगदान प्रस्तुत कर सकेंगे। यूनाइटेड इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में यूनाइटेड मेडिसिटी नाम का 1000 बड़ का अस्पताल भी है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी (लङ्) के प्रत्येक संकाय की बौद्धिक पूँजी संकाय में कार्यरत संकाय सदस्य है, जिनमें से प्रत्येक के पास अनुभव और विषय-वस्तु की क्षमता संस्था की विशेषता है। सनतकों को उच्च स्तर की क्षमता से परिपूर्ण करने

